08/1/24

पत्रावली पेश हुई। आवे. प्रार्थी व विपक्षी उप.।
प्रकरण में मूल वाद स्वीकार किया जा चुका है।
अतः मूल वाद स्वीकार किये जाने से इस पत्रावली
में कोई कार्यवाही शेष नहीं रहती है। अतः पत्रावली
को इसी स्तर पर ड्रोप किया जाता है। पत्रावली
फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय सुनाया गया।

नि.ग्रमेरा

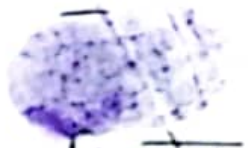

मैरा

Signature Not Verified

Digitally signed by Parwat Singh Chundawat
Date: 2024.02.09 15:37:18 IST
Reason: SelfAttested